# रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 4 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 86 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे


# अब एआई बताएगा कैसी है आपकी मानसिक स्थिति

## महज 1 मिनट के वेबकैम स्कैन से आपके इमोशन पढ़ लेगा 'इमोस्केप'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश में तेजी से बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों के बीच भावनाओं को समझने वाली मेडिकल एआई तकनीक ने नई उम्मीद जगाई है। पुणे की एक कंपनी ने 'इमोस्केप' नाम का एक ऐसा मेडिकल-ग्रेड इमोशन एआई प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो एक मिनट के वेबकैम स्कैन के जरिए व्यक्ति की मानसिक स्थिति (इमोशनल स्टेट) का विश्लेषण कर यह बता देगा कि वह क्या एहसास कर रहा है। मनोचिकित्सक व इंस्टीट्यूट आफ ह्युमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेस (इहबास) के पूर्व निदेशक प्रो. निमेष जी देसाई के अनुसार मरीज की इमोशनल स्टेट को समझे बिना प्रभावी इलाज संभव नहीं है, और इस दिशा में नई टेक्नोलॉजी उपयोगी साबित हो सकती है।

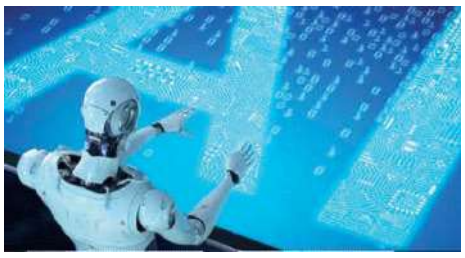

**इमोस्केप का मकसद: टेक्नोलॉजी को ह्यूमन-सेंट्रिक बनाना:** इमोस्केप प्लेटफॉर्म के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एलसी सिंह ने बताया कि इमोशन



मानव जीवन का मूल तत्व है। अगर हम इसे सही तरीके से समझ सकें तो हेल्थकेयर, एजुकेशन और आर्गनाइजेशनल डिसीजन मेकिंग तीनों में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इमोस्केप का उद्देश्य टेक्नोलॉजी को ज्यादा 'ह्यूमन-सेंट्रिक' बनाना है ताकि डेटा के साथ-साथ भावनाओं को भी समझा जा सके। उनके अनुसार इमोस्केप तकनीक प्राचीन नाट्यशास्त्र के नवरस शृंगार, हास्य, करुणा, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत पर आधारित है।

**निमहांस और एमयूएचएस के एक्सपर्ट्स के साथ विकसित तकनीक:** जिसे महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज (एमयूएचएस) और बेंगलुरु स्थित निमहांस के एक्सपर्ट्स के साथ कोलैबोरेशन के माध्यम से विकसित किया गया है। संबंधित रिसर्च पेपर्स भी पब्लिश किए गए हैं, जिनके आधार पर इसे मेडिकल-ग्रेड प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

यह फेस एक्सप्रेशन और कंधों से ऊपर के शरीर की माइक्रो मूवमेंट्स को पढ़कर इमोशंस का आंकलन करता है। पूरी प्रक्रिया नान इनवेसिव है, जिसमें किसी प्रकार के सेंसर या डिवाइस की आवश्यकता नहीं होती। इहबास के पूर्व निदेशक प्रो. निमेष जी देसाई के अनुसार भारत में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। देश में लगभग हर सात में एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार से प्रभावित है, दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है।

### युवाओं में तेजी से बढ़ रहे एंजायटी और डिप्रेशन के मामले

शहरी युवाओं और किशोरों में एंजायटी और डिप्रेशन के मामले तेजी से बढ़े हैं, करीब 30 से 35 प्रतिशत तक प्रभावित हैं। वर्ष 2023 में राजधानी में 3,000 से अधिक आत्महत्या के मामले दर्ज होना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि 80 से 85 प्रतिशत मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता, जिससे समस्या और गहराती जा रही है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि भावनात्मक स्थिति को समझना ट्रीटमेंट का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की एआई आधारित तकनीक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक एक्यूरेट, डाटा आधारित और प्रभावी बना सकती हैं।

# सीपीएस पीजी डॉक्टरों की चेतावनी, मांगें पूरी नहीं हुईं तो जंतर-मंतर पर करेंगे बड़ा प्रदर्शन

**पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को कॉलेज ऑफ फिजीसिएन्स एंड सर्जनस (सीपीएस) के पोस्टग्रेजुएट डॉक्टरों ने अपने भविष्य को लेकर गहराते संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉक्टरों ने ऐलान किया कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में देशभर के विभिन्न राज्यों से करीब 150 डॉक्टर और छात्र प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा और नगर हवेली, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, मेघालय, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के डॉक्टर शामिल रहे, जिन्होंने एकजुट होकर अपनी लंबित मांगों को उठाया। वहीं, प्रदर्शन के दौरान छात्र प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एनएमसी अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी मांगों को औपचारिक रूप से रखा। अधिकारियों ने मामले को देखने और प्रभावित डॉक्टरों के भविष्य को सुरक्षित करने का मौखिक आश्वासन दिया। हालांकि, डॉक्टरों ने इस पर असंतोष जताते हुए कहा कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, उन्हें ठोस और समयबद्ध समाधान चाहिए। डॉक्टरों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द कोई निर्णय नहीं लिया गया तो 2,300 से अधिक सीपीएस पीजी डॉक्टर देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे और दिल्ली में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। डॉक्टरों के प्रतिनिधि डा चिराग ने बताया कि यह मामला दो हजार से अधिक उन डॉक्टरों से जुड़ा है, जिन्होंने सरकारी और मान्यता प्राप्त



अस्पतालों में अपनी रेजिडेंसी पूरी कर ली है, लेकिन वे अब भी अपने करियर की शुरुआत नहीं कर पा रहे हैं। अक्टूबर 2024 के बाद से उनकी अंतिम परीक्षाएं आयोजित नहीं हुई हैं, जिससे वे न तो विशेषज्ञ डॉक्टर के रूप में डिग्री हासिल कर पा रहे हैं और न ही मेडिकल रजिस्ट्रेशन करा पा रहे हैं।

**हजारों डाक्टरों का भविष्य अधर में लटका:** डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने नीट-पीजी काउंसलिंग के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ प्रवेश लिया था, लेकिन मार्च 2025 में बाम्बे उच्च न्यायालय के फैसले के बाद परीक्षाओं पर रोक लग गई। फिलहाल यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, जिसके चलते हजारों डाक्टरों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की मुख्य मांगों में लंबित परीक्षाओं का तुरंत आयोजन, परीक्षा पास करने के बाद डिग्री और मेडिकल रजिस्ट्रेशन का स्पष्ट रास्ता, और एनएमसी व स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इस पूरे मामले का समयबद्ध समाधान शामिल है। डॉक्टरों ने कहा कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे।

## मिनटों में तय होगी घंटों की दूरी... दिल्ली की सड़कों को किया जाएगा सिग्नल फ्री

**दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार राजधानी में भीड़भाड़ कम करने और ट्रैफिक जाम की समस्या से दिल्ली को राहत दिलाने




के लिए कई परियोजनाएं लागू कर रही है। इससे घंटों की दूरी कुछ ही मिनटों में तय हो सकेगी। लोकसभा में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। हर्ष मल्होत्रा ने बिधूड़ी के एक पूरक प्रश्न के उत्तर में लोकसभा में बताया कि दिल्ली की तीन प्रमुख सड़कों को एनएचएआइ के अंतर्गत लाकर उन्हें सिग्नल फ्री किया जा रहा है। महरौली-गुरुग्राम रोड, आश्रम से बदरपुर बार्डर तक मथुरा रोड को और पंजाबी बाग से टीकरी तक सिग्नल फ्री करने की तैयारी चल रही है। आश्रम से बदरपुर तक ट्रैफिक जाम के कारण सवा घंटा लग जाता है। यहां तीन फ्लाईओवर बनाए जाएंगे ताकि लोगों को जाम में नहीं फंसना पड़े। इसी तरह महरौली-गुरुग्राम रोड पर फ्लाई ओवर बनाकर एक घंटे की दूरी सिर्फ 15 मिनट में तय हो सकेगी। पंजाबी बाग-टीकरी तक के रोड पर जाम खत्म करने के लिए डीपीआर बनाई जा रही है और फ्लाईओवर व एलिवेटेड रोड से डेढ़ घंटे का यह सफर 30 मिनट में पूरा हो सकेगा। उन्होंने बताया कि गुड़गांव से दिल्ली आते हुए लोग अक्सर जाम में फंस जाते हैं। इसलिए शिवमूर्ति से नेल्सन मंडेला मार्ग तक टनल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस पर करीब 3,500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कालिंदी कुंज में छह रोड एक साथ आकर मिलते हैं। मयूर विहार और नोएडा के अलावा मुंबई एक्सप्रेस वे भी यहां मिलता है। यहां धौला कुआं की तरह का सर्कल बनाया जाएगा। मल्होत्रा ने यह भी बताया कि मुंबई एक्सप्रेस वे पर डीएनडी से फरीदाबाद तक एलिवेटेड रोड अगले छह महीने में शुरू हो जाएगा। वहीं दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का लोकार्पण अगले आठ से 10 दिनों में करने की तैयारी है।

## छेनू गैंग का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार, न्यू अशोक नगर से देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्वी जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने छेनू गैंग के एक सक्रिय सदस्य को न्यू अशोक नगर से गिरफ्तार कर बड़ी वारदात को टाल दिया। आरोपित हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम देने की तैयारी में इलाके में घूम रहा था। उसके कब्जे से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। डीसीपी राजीव कुमार के अनुसार, इंस्पेक्टर पवन यादव के नेतृत्व में टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर जाल बिछाकर आरोपित को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित की पहचान सलमान कुरैशी (34) निवासी न्यू सीलमपुर के रूप में हुई है। वह छेनू गैंग का सक्रिय सदस्य है और गैंग के अन्य सदस्यों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। जांच में यह भी सामने आया कि वह शहजाद नाम के एक सक्रिय लुटेरे का सहयोगी रहा है, जिसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक आरोपित इलाके में हथियार के दम पर लूट की वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था, लेकिन समय रहते उसे पकड़ लिया गया। इस संबंध में न्यू अशोक नगर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपित पहले भी आर्म्स एक्ट और चोरी के छह मामलों में शामिल रहा है। फिलहाल, पुलिस अवैध हथियार के स्रोत और गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

# चंदन नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई: कुछ घंटों में 'हत्या के प्रयास' का आरोपी गिरफ्तार

**खुशबू श्रीवास्तव**

चंदन नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में आरोपी को महज कुछ घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने आपसी लेनदेन के विवाद में युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2 अप्रैल को जिला अस्पताल से सूचना मिली कि एक युवक चाकू से घायल अवस्था में लाया गया है, जिसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे एम.वाय.एच अस्पताल रेफर किया गया। सूचना मिलते ही चंदन नगर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायल मोहम्मद फैजान (21 वर्ष), निवासी केशव नगर, इंदौर से पूछताछ की। घायल ने बताया कि आरोपी तनवीर कुरैशी उर्फ तन्नु मंजरा ने उधारी के पैसे समय पर नहीं देने को लेकर

विवाद करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर थाना चंदन नगर में अपराध क्रमांक 433/2026 के तहत धारा 109(1), 119(1), 296(ए) BNS में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी तनवीर कुरैशी (23 वर्ष), निवासी लक्ष्मी नगर, इंदौर को कुछ ही घंटों में हिरासत में ले लिया और उसके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया। घटनास्थल की तस्दीक के दौरान आरोपी ने आसपास के रहवासियों के सामने कान पकड़कर माफी मांगी और उठक-बैठक लगाकर भविष्य में अपराध न करने की शपथ ली। इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी हत्या के प्रयास और मारपीट के मामले दर्ज हैं, जो अभी जांच में हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले, उप निरीक्षक सौरभ कुशवाह, सउनि दीपेश गोराना, सउनि जहीरूद्दीन शेख सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# उपभोक्ता शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की त्वरित कार्रवाई, रेस्टोरेंटों से 07 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए

**आदित्य शर्मा**

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में एक उपभोक्ता द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर शिकायतकर्ता से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा कर तथ्यों की पुष्टि की गई तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा हार्ड कैसल रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड (मैकडॉनल्ड), ए.बी. रोड, राजेंद्र नगर, राऊ का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा बताई गई खाद्य सामग्री के आधार पर वेज पिज़्ज़ा मैक पफ, बर्गर बन तथा एडिबल आइस (खाद्य बर्फ) के नमूने जांच हेतु संकलित किए गए।

इसी क्रम में श्री कृष्ण फूड कंपनी (ओये पाप्पे फैमिली रेस्टोरेंट), ए.बी. रोड, राजेंद्र नगर का निरीक्षण कर पनीर, तुअर दाल, राजमा एवं चावल के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। इस प्रकार आज की कार्रवाई में कुल 07 खाद्य नमूने जांच हेतु संकलित किए गए हैं। प्रतिष्ठान संचालकों को दिए गए निर्देश

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संबंधित खाद्य कारोबार संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमों के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्हें खाद्य निर्माण एवं भंडारण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तापमान पर रखने, कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता (Personal Hygiene) का पालन करने, स्वच्छ पेयजल एवं खाद्य-ग्रेड बर्फ का उपयोग करने तथा कच्चे एवं पके खाद्य पदार्थों के पृथक भंडारण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही खाद्य कारोबार संचालकों को यह भी निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें।

संकलित सभी नमूनों को विस्तृत परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रयोगशाला से विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास खाद्य पदार्थों में मिलावट, अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण अथवा खाद्य प्रतिष्ठानों में गंदगी दिखाई देती है, तो इसकी सूचना जिला प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 0731-181 अथवा 0755-2840621 पर अवश्य दें। उन्होंने यह भी कहा कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा मिलावट या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# शंकर लक्ष्मण सिंह पवार
# मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के 'बंजारा समाज प्रकोष्ठ' में प्रदेश सचिव नियुक्त

**रणजीत टाईम्स**

**महेन्द्र मालवीय**

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन की मजबूती और बंजारा समाज के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए अपनी नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इस सूची में बुरहानपुर के स्थानीय नेता श्री शंकर लक्ष्मण सिंह पवार को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संगठन में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी-मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार और संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले की सहमति से यह नियुक्तियां की गई हैं। बंजारा समाज प्रकोष्ठ के प्रदेश समन्वयक श्री मांगीलाल नायक द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए श्री शंकर लक्ष्मण सिंह पवार को बंजारा समाज प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है।

क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में हर्ष- डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान (प्रभारी, समस्त प्रकोष्ठ एवं विभाग) द्वारा जारी इस नियुक्ति पत्र के बाद बुरहानपुर जिले के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। स्थानीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि पवार की नियुक्ति से जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी और बंजारा समाज की आवाज प्रदेश स्तर तक मजबूती से पहुंच सकेगी।

## आगामी कार्ययोजना

नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया गया है कि नवनियुक्त पदाधिकारियों को शीघ्र ही प्रांतीय बैठक में शामिल होना होगा। इस बैठक का उद्देश्य आगामी भविष्य की कार्ययोजना तैयार करना और संगठन को नई गति प्रदान करना है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर शंकर लक्ष्मण सिंह पवार को उनके समर्थकों और शुभचिंतकों द्वारा निरंतर बधाई संदेश प्राप्त हो रहे हैं।

हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर विशाल धार्मिक आयोजन कार्यक्रम का विवरण आप सभी धर्मप्रेमी सादर आमंत्रित हैं:
भव्य सुन्दरकाण्ड पाठ सुमधुर भजन संध्या महाप्रसादी वितरण (भंडारा) समय और दिनांक
दिनांक: 04 अप्रैल 2026 (शनिवार) समय: शाम 7:00 बजे से प्रभु इच्छा तक स्थान आई.डी.ए. ग्राउण्ड, मंगल सिटी के पास, विजय नगर चौराहा, इन्दौर निवेदक जीतू यादव (जाटव), लखन धामेलिया मित्र मण्डल एवं समस्त क्षेत्रवासी

रणजीत टाइम्स



# "बिना सिक्योरिटी के बिके करोड़ों CCTV कैमरे: Qubo CEO की चेतावनी हैकिंग का बड़ा खतरा"

नई दिल्ली। देशभर में इस्तेमाल हो रहे CCTV कैमरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सामने आई है। स्मार्ट डिवाइस ब्रांड Qubo के CEO ने खुलकर स्वीकार किया है कि भारत में बड़ी संख्या में ऐसे CCTV कैमरे बेचे गए हैं, जिनमें पर्याप्त साइबर सिक्योरिटी व्यवस्था नहीं है। इससे करोड़ों यूजर्स की प्राइवेसी और सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। कैसे बढ़ रहा है खतरा तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, कई कैमरे ऐसे हैं जिनमें: डिफॉल्ट या कमजोर पासवर्ड का इस्तेमाल हो रहा है सॉफ्टवेयर (फर्मवेयर) समय पर अपडेट नहीं किया जाता

सस्ते और अनब्रांडेड डिवाइस में सिक्योरिटी फीचर्स बेहद कमजोर होते हैं ऐसे कैमरे हैकर्स के लिए आसान टारगेट बन जाते हैं। हैकिंग के जरिए न सिर्फ लाइव फुटेज देखा जा सकता है, बल्कि डेटा चोरी और निगरानी का दुरुपयोग भी संभव है। घर और ऑफिस दोनों खतरे में CCTV कैमरे आज सिर्फ सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि हर घर, दुकान, ऑफिस और सार्वजनिक जगह का अहम हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में अगर ये ही असुरक्षित हों, तो यह निजता (Privacy) और सुरक्षा दोनों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। क्या कहते हैं एक्सपर्ट साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों का कहना है कि: IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) डिवाइस तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा उतनी मजबूत नहीं है कई यूजर्स बेसिक सिक्योरिटी सेटिंग्स को नजरअंदाज कर देते हैं सस्ते विकल्प चुनने की वजह से लोग जोखिम बढ़ा लेते हैं क्या करें यूजर्स कैमरों का पासवर्ड तुरंत बदलें समय-समय पर फर्मवेयर अपडेट करें केवल भरोसेमंद ब्रांड के डिवाइस खरीदें कैमरे को सुरक्षित Wi-Fi नेटवर्क से कनेक्ट करें भारत में CCTV कैमरों का बढ़ता इस्तेमाल जहां सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, वहीं उनकी कमजोर साइबर सिक्योरिटी एक नया खतरा बनकर उभर रही है। Qubo CEO की चेतावनी इस ओर इशारा करती है कि अब वक्त आ गया है जब यूजर्स और कंपनियां दोनों मिलकर सुरक्षा को प्राथमिकता दें, वरना निगरानी के ये साधन ही खतरे का कारण बन सकते हैं।

# "US-इजरायल हमले का दावा ताश के पत्तों की तरह ढहा ईरान का 'B1 ब्रिज', बढ़ा मिडिल ईस्ट में तनाव"

## रणनीतिक ढांचे पर हमले की खबरों से भू-राजनीतिक हलचल तेज, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

तेहरान/वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंचता दिख रहा है। सोशल मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान का अहम इंफ्रास्ट्रक्चर-कथित "B1 ब्रिज"-ताश के पत्तों की तरह ढह गया। हालांकि, इस हमले को लेकर न तो United States और न ही Israel की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। वहीं Iran ने भी इस तरह की खबरों पर चुप्पी साध रखी है या सीमित प्रतिक्रिया दी है, जिससे स्थिति और रहस्यमयी बन गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह पुल (ब्रिज) सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण बताया जा रहा था और इसका उपयोग सैन्य लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में होता था। हमले के बाद कथित तौर पर इलाके में भारी तबाही और संचार बाधित होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह हमला सच साबित होता है, तो यह क्षेत्रीय संघर्ष को और भड़का सकता है। पहले से ही मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव-जिसमें कई देशों की भागीदारी है-ऐसी घटनाओं से और जटिल हो सकता है। इधर, अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर नजर बनाए हुए है। कई देशों ने संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है, ताकि हालात और न बिगड़ें। फिलहाल, "B1 ब्रिज" के ढहने की खबरें दावों और अटकलों तक सीमित हैं। आधिकारिक पुष्टि के

बिना स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना तय है कि मिडिल ईस्ट का तनाव एक बार फिर वैश्विक चिंता का कारण बन गया है।

# " हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें" अभियान के तहत जागरूकता और कार्रवाई

**25 हेलमेट वितरण कार्यक्रम में बांटें 3900 हेलमेट अनाउंसमेंट कर सड़क सुरक्षा का महत्व भी समझा रहें**

## तीन माह 1,03,358 बिना हेलमेट वाहन चालकों पर कार्यवाही

इंदौर शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा निरंतर जागरूकता कार्यक्रम व नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही भी की जा रही हैं। इसी क्रम में सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को रोकने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर

जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस द्वारा शहर के चौराहो नियमों का उल्लंघन करने वालों पर एक तरफ कार्रवाई भी की जा रही तो दूसरी तरफ उन्हें विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमो के माध्यम से हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर द्वारा 25 हेलमेट वितरण कार्यक्रम में 3900 हेलमेट जनसहयोग से जरूरतमंदों को प्रदान किये एवं स्वेच्छा से हेलमेट लगाने वालों को सम्मानित भी किया जा रहा है।

यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यह भी बताया जा रहा है कि आप हेलमेट के महत्व को समझे, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सड़क हादसों में होने वाले दुष्परिणामों से खुद को और दूसरों को बचाएं। विगत तीन माह में चलाए गए हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें विशेष अभियान के दौरान कुल 1,03,358 वाहन चालकों के विरुद्ध हेलमेट नही लगाने पर कार्रवाई की गई। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा हेतु हेलमेट का सदैव उपयोग करें, यातायात नियमो का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

# अहंकार व अपराधबोध से मुक्ति दिलाने में सहायक है सहजयोग

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग आत्मसाक्षात्कार की गाथा है । जब हम अंतर्मुखी होकर अपनी जीवनयात्रा का अवलोकन करते हैं , तो पाते हैं कि जीवन दुःख, दर्द, तनाव, कठिनाईयों से भरा है, हम सभी सुख और आनंद पाने की स्पर्धा में दौड़ रहे हैं, परंतु जीवन में एक भी व्यक्ति हमें नहीं मिलता कि जो कहता हो, हम अंतर्मन में खुश हैं आनंदी हैं । परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारी आत्मा से यानि कि अंतर्मन के आनंद से मिलाता है । सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार पाना सहज है सरल है, जब हम परमपूज्य श्री माताजी की प्रतिमा के सामने बैठते हैं या किसी पब्लिक प्रोग्राम में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने जाते हैं तो हमसे प्रार्थना करवायी जाती है, कि '' मैं शुद्ध आत्मा हूं '' यह एक महान मंत्र है । मैं मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार ये कुछ भी नहीं, परंतु एक शुद्ध आत्मा हूं , ये कहना और इस आत्मतत्व से एकरूप होना यह एक महान योग है , जो हमें हमारी सारी परेशानियों से मुक्ति दिलाता है, क्योंकि हमारी आत्मा निर्लेप, निरंजन और अखंड आनंद देने वाला परम प्रेमास्पद मानो एक अमूल्य रत्न है, और इसे पाना ही हमारे जीवन का लक्ष्य।

प्रश्न आता है इतना सुंदर यह आत्मतत्व प्राप्त होने में हमें क्या कठिनाई है, तो परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, आपका दायां और बायां पक्ष। आपके इड़ा

और पिंगला नाड़ी से आने वाले अनगनित विचार और इन विचारों के कारण ही जीवन की सारी समस्याएं हैं । श्री माताजी इन विचारों को दो भागों में विभाजित करती हैं। आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति में अड़चन है 'अपराध बोध' की भावना जो बायें पक्ष से आती है। श्री माताजी कहते हैं कि, आप कभी भी खुद को अपराधी मत समझो | भूतकाल में, आत्मसाक्षात्कार पूर्व और बाद में जो आपने कुछ गलत किया हो, तो अब से ,आज से, इसी वक्त से भूल जाइये। अपराधबोध एक अवचेतन क्रिया है। जब इस प्रकार का अनैतिक आचरण किया जाता है, यहां तक कि तुम्हें यह भी पता ना हो कि नैतिकता क्या है, अगर तुम धर्मों को नही जानते , हो सकता है तुम ऐसा कुछ कर रहे हो , जो तुम्हें नहीं करना चाहिये था, तो इसके बारे में भूल जाओ, स्वयं को अलग करो, जिसने गलती की है, वह तुम्हारा अहंकार है, तुम नहीं। तुम पवित्र हो क्यों कि तुम आत्मा हो, तो उसके लिये स्वयं को दोष मत दो, तुम्हे परेशान नहीं होना है। उदाहरण के लिये अगर यंत्र में कोई दोष है तो उसमें बिजली का कोई दोष नहीं है, तो हमें यंत्र को ठीक करना है । सहजयोग हमें अपने अहंकार और प्रति अहंकार से सहजता में मुक्ति दिलाता है, क्योंकि जब हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी कुंडलिनी माँ हमें हमारे अहंकार और प्रति अहंकार के प्रति सजग बनाती हैं, हमें उन दो शत्रुओं से दूर रखकर, एक माँ का निर्वाज्य प्रेम प्रदान करती हैं, आपको भी यह निर्व्याज प्रेम पाना है, तो सहजयोग ध्यान में आपका स्वागत है। इस जीवंत, शाश्वत, आत्मज्ञान को प्राप्त करने हेतु सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

# जैसा भी जीवन मिला है, इसे इसी रुप में स्वीकारें, यही जीवन आनंदमय बन जाएगा : श्री माताजी

भौतिक जीवन रोलर कोस्टर राइड की भांति होता है जहां उतार-चढ़ाव से प्रतिपल सामना होता रहता है। सुख व दुख से मानव व्यथित होता रहता है। वास्तव में अभाव हमारे दुख का मुख्य कारण है,जो कुछ भी मर्त्य है

वो अपूर्ण है। इसी कारण इस जगत की कोई भी चीज हमें संतुष्टि प्रदान नहीं कर पाती तथा अनेक प्रकार की लालसाएं सदैव ही हमें भ्रमित करती रहती हैं। इसी संदर्भ में सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में कहा है कि, सुख और दुःख एक ही साथ चलते हैं, आज कोई आदमी सुख पे चढ़ा फिर दुःख में उतरा, आशा निराशा के इस झमेले में ही मनुष्य पड़ा रहता है लेकिन आनंद एकमेव होता है, उसमें सुख और दुःख का विभाजन नहीं होता है, आनंद में मनुष्य शांत चित्त होकर के सारी चीज को देखता है जैसे कोई खेल हो, जैसे कोई नाटक हो रहा हो, सब चीज को देखता है और कोई चीज भीषण भी लगती है उसे भी वो देखता है और कारण कि वो देख सकता है साक्षी भाव से, वो उसे ठीक भी कर सकता है क्योंकि वो एक महान आत्मा है। (13 अक्टूबर 1986 कोलकाता)

"जीवन जैसा है, इसे इसी रूप में स्वीकार करें । वहां जैसा जीवन है, इसे स्वीकार करें। प्रतिकार न करें, क्रोधित न हों, निराश न हों, बस इसे स्वीकार करें, और आप उसी जीवन का आनंद लेने लग जाएंगे, जो जीवन आपको परेशान कर रहा था। आप इस जीवन का आनंददायी पहलू देखेंगे, और यह इतना सुंदर होगा कि इस तरह से इसे देखकर आप अपनी सारी समस्याओं पर विजय पा लेंगे। आप अपने सभी शत्रुओं पर विजय पा लेंगे, और आपको एक तरह का अत्यंत सुन्दर व ताज़ा जीवन मिलेगा।" (9 मई 1999) सहजयोग में कुंडलिनी जागरण के पश्चात् साक्षी स्वरूप होना तथा निर्मल आनंद को प्राप्त करना अत्यंत ही सहज रूप में हो जाता है। मां के समक्ष आत्मसाक्षात्कार की यह जटिल प्रक्रिया सरल रूप में तत्क्षण ही संपन्न हो जाती है । सहजयोग का अनुभव प्राप्त करने हेतु आप टोल फ्री नं – 1800 2700 800 पर संपर्क कर सकते हैं।

# सभी प्रकार के नशे से युवाओं को सुरक्षित रखता है सहजयोग ध्यान

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति।।

भगवद्गीता परम पूज्य श्री माताजी प्रणीत सहयोग हमें शुद्ध पवित्र निर्मल आत्मज्ञान प्रदान करता है भगवद्गीता से लिए गए उपरोक्त श्लोक का अर्थ है कि इस संसार में आत्मज्ञान से बढ़कर के समान पवित्र निसंदेह कुछ भी नहीं इस ज्ञान को कितने ही कल से कर्मयोग द्वारा शुद्ध अंतःकरण प्राप्त करने वाला मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है। परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि आपका कर्मफल पूर्ण होने का समय आ गया है। जब कोई भी साधक श्री माताजी के समक्ष बैठकर आत्मसाक्षात्कार मांगता है तथा सभी को क्षमा कर अपना हृदय स्वच्छ कर अपना चित्त सहस्त्रार चक्र पर स्थिर कर कुछ क्षण शांत बैठता है तो उसके पिंड में स्थित शक्ति वायु रूप लेकर रीढ़ की हड्डी के समानांतर स्थित सुषुम्ना नाड़ी से प्रवाहित होती है और उसके हाथों से शीतल चैतन्य लहरियां बहने लगतीं हैं। इन शीतल चैतन्य लहरियों का अनुभव ही आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का संकेत होता है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान से जब आपकी कुंडलिनी मां भवसागर को पार करती है तो धर्म आपके हाथों से चैतन्य लहरियों के रूप में प्रवाहित होने लगता है । इस चैतन्य में धर्म को स्थापित करने की क्षमता होती है। इस प्रकार का साधक श्री माताजी की आज्ञा से किसी भी तत्व को चैतन्यित कर सकता है। इस चैतन्य का उपयोग जल के माध्यम से करना अत्यंत सहज, सरल व प्रभावशाली होता है। श्री माताजी के समक्ष चैतन्यित जल को जब कोई व्यक्ति ग्रहण करता है तो धर्म स्वयं ही उसके भीतर जागृत हो जाता है तथा उचित - अनुचित का भेद स्पष्ट होने लगता है। ऐसा व्यक्ति किसी भी प्रकार के नशे जैसे शराब, तंबाकू, ड्रग्स आदि का त्याग बड़ी ही आसानी से कर देता

है। इस चैतन्यित जल का प्रयोग करने से हमारे सूक्ष्म शरीर में चक्रों व नाड़ियों में संतुलन स्थापित होता है जिससे अनेक प्रकार के रोग सहजता से ठीक हो जाते हैं। अनगिनत उदाहरण सहजयोग में मौजूद हैं जिसमें साधकों ने सहजयोग के नियमित अभ्यास द्वारा अनेक साध्य व असाध्य रोगों से मुक्ति प्राप्त की है। परंतु सहजयोग कोई झाड़ फूंक अथवा तंत्र - मंत्र द्वारा रोगों को ठीक करने की संस्था नहीं है। सहजयोग सनातन ऋषियों की वैज्ञानिक पद्धति का सर्वोच्च ज्ञान है जिसका मुख्य व एकमात्र उद्देश्य आत्मज्ञान की प्राप्ति है । सूक्ष्म शरीर का ज्ञान तथा नियमित ध्यान अभ्यास से जो संतुलन हमारे भीतर स्थापित होता है उसका सह उत्पाद रोगों से मुक्ति है। इस प्रकार श्री माताजी प्रणित सहजयोग अपना अंतरंग स्वच्छ कर हमें सकारात्मक ढंग से पूर्ण परिवर्तित कर जीवन का उच्चतम आनंद प्रदान करता है। अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं ।

# पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त कुल 14 शातिर बदमाशों के विरुद्ध, जारी किए गए प्रतिबंधात्मक आदेश

05 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर कर, किया गया इंदौर व सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से निष्कासित। 09 अन्य बदमाशों के विरुद्ध निर्बन्धन आदेश जारी कर, थाना हाजरी होने के लिए किया गया पाबंद बदमाश आदतन अपराधी है, जिनके विरुध्द पूर्व से पंजीबध्द है- विभिन्न धाराओं के कई गंभीर अपराध।

इदौर नगरीय क्षेत्र मे अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सक्रिय गुंडे बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त द्वारा संबंधित जोन के पुलिस अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन पर कार्यवाही करते हुए 05 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर तथा 09 अन्य शातिर बदमाशो को थाना हाजरी के लिए निर्बन्धन आदेश जारी कर विभिन्न शर्तो के अधीन पाबंद किया गया है। आदतन बदमाश जो कि आपराधिक प्रवृत्ति के होकर इनके द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इन अपराधियों के विरुध्द विभिन्न गंभीर धाराओं के कई अपराध शहर के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध है। बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के उपरांत भी इनके द्वारा लगातार अपराध कारित कर आम लोगो की शांति भंग कर क्षेत्र की लोक व्यवस्था भंग की जा रही थी। उक्त बदमाशो की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु बदमाशों के विरुद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत कार्यवाही हेतु इनके प्रकरणों के प्रतिवेदन को श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरणों की जांच एवं विचारण उपरांत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा उक्त 05 बदमाशों --

1. मो.शादाब पिता मो आरीफ खान उम्र 29 साल निवासी 04 प्रकाश का बगीचा थाना रावजी बाजार इंदौर ( अवधि - 03 माह )

2. उज्जवल उर्फ चुचु पिता आनंद सिसोदिया उम्र 42 वर्ष निवासी 35/01 महेश यादव नगर थाना बाणगंगा इंदौर ( अवधि - 06 माह )

3. सुरेश पिता जगदीश बंजारा उम्र 32 साल निवासी 92 राहुल गांधी नगर थाना भवंरकुआ इंदौर (अवधि - 06 माह )

4. राहुल उर्फ झटका पिता काशीराम मराठा उम्र 32 वर्ष निवासी 42/4 पंचमूर्ति नगर थाना चदंन नगर इंदौर ( अवधि - 06 माह )

5. अजय पिता अनिल जगताप उम्र 25 वर्ष निवासी नैनोद मल्टी गांधीनगर थाना गांधीनगर इंदौर (अवधि - 03 माह )

उक्त सभी 05 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय एवं देहात) एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलो की सीमाओं के लिये प्रतिबंधित करने हेतु जिलाबदर आदेश जारी किया गया है। इसके साथ ही आदतन बदमाशों की आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए, पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा उक्त 09 बदमाशों को निर्बंधन आदेश से प्रतिबंधित किया है -

1. फईम उर्फ माजिद पिता मो. नईम पठान उम्र 30 वर्ष निवासी गौहर नगर हुसैनी मस्जिद के सामने थाना खजराना इंदौर (अवधि - 06 माह)

2. मोनू पिता बालक तम्बोली भागवत उम्र 25 साल निवासी 119 आई ब्लॉक नैनोद मल्टी थाना गांधीनगर इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

3. निमेश उर्फ सोनू पिता मनोज गौड़ उम्र 23 वर्ष निवासी 120 कमाठीपुरा थाना सदर बाजार इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

4. कीर्तन पिता राकेश गौड़ उम्र 21 साल निवासी 120 कमाठीपुरा थाना सदर बाजार इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

5. करण पिता दुर्गाप्रसाद वर्मा उम्र 35 साल निवासी 6/1 कलाली मोहल्ला थाना संयोगितागंज इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

6. सचिन पिता संजय थोरवे उम्र 24 साल निवासी 192 नई जीवन की फेल थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

7. आनंद पिता किशोर कुशवाहा उम्र 28 साल निवासी 99/1 सेठी संबंध नगर थाना विजय नगर इंदौर ( अवधि - 01 वर्ष)

8. दीपक उर्फ दीपू पिता अशोक मुकासिया उम्र 27 साल निवासी 341 कुलकर्णी का भट्टा थाना परदेशीपुरा इंदौर ( अवधि - 06 माह)

9. गर्वित उर्फ काका उर्फ बाबा पिता लक्ष्मण सैनी उम्र 24 साल निवासी नार्थ मूसाखेडी हाल 119 पंचशील कॉलोनी थाना आजाद नगर इंदौर (अवधि - 06 माह)

उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों के तहत सभी 09 बदमाशों को- निर्धारित समय अवधि पर संबंधित थाने देना होगी हाजिरी।

अवैधानिक गतिविधियों में नही रहेंगे संलिप्त।

शहर में लोकशांति को भंग करने का नही करेंगे कोई कार्य, आदि प्रतिबंधात्मक शर्ते लगाई गई है। बदमाशो द्वारा उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों का यदि उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। उक्त प्रकरणों पर शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई।

# देसी फ्रिज" पर पड़ा आधुनिकता का सायाः मटका व्यापार में छाई मायूसी

**ऋषि गोस्वामी**

शिवपुरी, : तपती गर्मी के बावजूद इस बार मिट्टी के मटकों का बाजार ठंडा नजर आ रहा है। जहाँ एक समय में 'देसी फ्रिज' कहे जाने वाले मटकों की गूंज हर घर में होती थी, वहीं अब बदलते वक्त और घर-घर फ्रिज की उपलब्धता ने इस पारंपरिक व्यापार की कमर तोड़ दी है। बिक्री में भारी गिरावटः व्यापारियों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार मटकों की बिक्री काफी कम है। दुकानदार दिनेश प्रजापति बताते हैं कि लोगों के पास

पहले से ही फ्रिज हैं, जिसके कारण मिट्टी के बर्तनों की मांग में कमी आई है।

बढ़ती लागतः मटका बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, जैसे मिट्टी और पकाने के लिए 'कंडे', काफी महंगे हो गए हैं। जहाँ पहले कच्चा माल आसानी से मिल जाता था, अब उसे दूर-दराज के इलाकों जैसे झांसी या पिछोर से मंगवाना पड़ता है। मेले में भी मायूसीः ऐतिहासिक राजेश्वरी माता मेले के दौरान भी व्यापारियों को वैसी सफलता नहीं मिली जैसी उम्मीद थी। स्टॉक भरा पड़ा है, लेकिन खरीदार कम हैं। तकनीक का बदलावः अब मटके पारंपरिक चाक के बजाय बिजली की मशीनों से बनाए जा रहे हैं, लेकिन लागत और मेहनत के बावजूद ग्राहकों की मोलभाव करने की आदत ने मुनाफे को नगण्य कर दिया है।

### क्यों है 'झांसी की मटकी' खास?

दुकानदारों का दावा है कि झांसी से आने वाली 'रेतीली मिट्टी' की मटकियाँ पानी को सबसे ज्यादा ठंडा रखती हैं। इन मटकों की कीमत 100 से 150 के बीच है, फिर भी लोग इसे महंगा बताकर दूरी बना रहे हैं। "पहले की तुलना में अब धंधा बहुत ढीला है। हर घर में फ्रिज होने से मटके की कद्र कम हो गई है, ऊपर से लागत दोगुनी हो गई है।" » — दिनेश प्रजापति, मटका व्यापारी हमारा नजरियाः क्या हम अपनी सेहत और परंपरा को आधुनिकता के चक्कर में भूलते जा रहे हैं? मिट्टी के पानी का स्वाद और ठंडक न केवल प्यास बुझाती है बल्कि सेहत के लिए भी लाभकारी है। मटका व्यापारियों की यह स्थिति एक गंभीर चिंता का विषय है।

# राज्यपाल के बदनावर दौरे को लेकर तैयारियां तेज

## कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थलों का लिया जायजा

**अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी हुई बारीकी से समीक्षा**

दिलीप पाटीदार

धार राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के आगामी 05 अप्रैल को प्रस्तावित बदनावर दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया । बदनावर में एक वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर मंडी प्रांगण, बदनावर में प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होगा।कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बदनावर में हेलिपेड और सभा स्थल का जायजा लिया। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा हेलिपेड पर सुरक्षित लैंडिंग एवं आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और स्वच्छता के मानक स्तर का विशेष ध्यान रखा जाए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने आपातकालीन सेवाएं, चिकित्सकों की उपलब्धता, वार्ड व्यवस्था, स्वच्छता एवं फायर फाइटिंग सिस्टम को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। साथ ही एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश भी दिए।

इसके उपरांत उन्होंने स्थानीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने एवं सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। यातायात प्रबंधन के तहत पार्किंग स्थलों का निर्धारण,

वीआईपी मूवमेंट के दौरान सुचारू आवागमन एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिले के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# एलपीजी कनेक्शन पर अस्थायी रोक, एक माह तक बंद रहेगा पंजीयन पोर्टल

**इंदौर।** शहर में नए घरेलू गैस कनेक्शन लेने वालों के लिए फिलहाल परेशानी बढ़ गई है। खाद्य आपूर्ति विभाग ने एलपीजी कनेक्शन के लिए पंजीयन पोर्टल को एक माह के लिए बंद कर दिया है। इस अवधि में नए कनेक्शन के लिए आवेदन और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी तरह से स्थगित रहेगी। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी मोहनलाल मारू ने बताया कि तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से यह निर्णय लिया गया है। एक माह बाद ही पंजीयन प्रक्रिया पुनः शुरू की जाएगी, जिसके बाद नए कनेक्शन जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं को तत्काल गैस की आवश्यकता है, उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत 5 किलोग्राम की घरेलू गैस टंकी उपलब्ध कराई जा रही है। यह व्यवस्था अस्थायी रूप से लागू रहेगी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता अपने नजदीकी गैस एजेंसी से संपर्क कर सकते हैं। विभाग का प्रयास है कि पोर्टल शुरू होते ही लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाए। हालांकि इस निर्णय से नए उपभोक्ताओं को असुविधा हो सकती है, लेकिन विभाग ने जल्द स्थिति सामान्य होने का भरोसा दिलाया है और नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

## 600 से अधिक शराब दुकानें नीलामी में अटकी, इंदौर की 12 दुकानें भी बंद

**इंदौर।** मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत शराब दुकानों की नीलामी प्रक्रिया में बड़ा व्यवधान सामने आया है। प्रदेशभर में 600 से अधिक दुकानें अब तक नीलाम नहीं हो सकी हैं, जिसके चलते ये दुकानें फिलहाल बंद हैं। इंदौर की 12 प्रमुख दुकानें भी इसी स्थिति में हैं। दरअसल, 31 मार्च को समाप्त हुई दसवें चरण की निविदा प्रक्रिया में कई दुकानों के लिए निर्धारित मूल्य से काफी कम बोली प्राप्त हुई। सरकार ने ऐसे प्रस्तावों को स्वीकार करने के बजाय होल्ड पर रखते हुए पुनः निविदा प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। नई प्रक्रिया के तहत आज दोपहर निविदाएं खोली जाएंगी। नई नीति में 3553 दुकानों की आधार कीमत में 20 प्रतिशत तक वृद्धि की गई थी। इसके बावजूद अंतिम चरण तक सैकड़ों दुकानों पर कोई प्रस्ताव नहीं मिला। बाद में न्यूनतम बोली की शर्त हटाने पर प्रस्ताव तो आए, लेकिन वे अपेक्षित दर से कम थे। इंदौर में 14 दुकानों के लिए प्रस्ताव मिले, जिनमें केवल 2 को ही स्वीकृति मिली। शेष 12 दुकानों के प्रस्ताव कम होने के कारण रोके गए हैं। अब नई शर्तों के अनुसार निर्धारित कीमत से 30 प्रतिशत तक कम बोली ही मान्य होगी। इन दुकानों की कुल कीमत करीब 203 करोड़ रुपये है, जबकि प्राप्त प्रस्ताव लगभग 127 करोड़ रुपये के रहे। अब नई प्रक्रिया के परिणाम पर सबकी नजरें टिकी हैं।

# पीसी शर्मा का भाजपा पर हमला, सदस्यता समाप्ति को बताया साजिश

**इंदौर।** एक दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधायक पीसी शर्मा ने भाजपा नेताओं पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त किए जाने को लेकर इसे राजनीतिक साजिश बताया।

पीसी शर्मा ने कहा कि जब जनता से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाए जाते हैं, तब विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है, लेकिन किसी विधायक की सदस्यता समाप्त करने के लिए रातों-रात विधानसभा सचिवालय खोल दिया जाता है। यह भाजपा की दोहरी नीति को दर्शाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस को राज्यसभा में सीट से वंचित करने की रणनीति का हिस्सा है। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि न्यायपालिका इस मामले में निष्पक्ष निर्णय देगी और सच्चाई सामने आएगी।

शर्मा ने कहा कि राजेंद्र भारती निश्चित रूप से राज्यसभा चुनाव में मतदान करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने राम राज्य मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि समाज में बेहतर व्यवस्था और मूल्यों की स्थापना के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच उठाएगी।

## शिवाजी मार्केट पर बढ़ी कार्रवाई: 126 दुकानों को नोटिस, 16 पर हटाने की तैयारी तेज

**इंदौर।** शहर के शिवाजी मार्केट को लेकर प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। एक ओर 126 दुकानों को नोटिस जारी कर जूनी इंदौर एसडीएम न्यायालय में सुनवाई शुरू हो गई है, वहीं दूसरी ओर मेट्रो परियोजना के तहत 16 दुकानों को हटाने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। एसडीएम न्यायालय द्वारा दुकानदारों को नोटिस चस्पा कर 7 अप्रैल तक दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यह मामला पिछले करीब 8 वर्षों से लंबित है, जिसमें आवंटन, अनाधिकृत हस्तांतरण और स्वामित्व को लेकर विवाद बना हुआ है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी को पक्ष रखने का अवसर देने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसी बीच मेट्रो परियोजना के लिए बाधा बन रही 16 दुकानों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। मेट्रो रेल निगम ने करीब डेढ़ करोड़ रुपये नगर निगम को जमा कर जमीन खाली कराने का अनुरोध किया है। इस स्थान पर सुरंग निर्माण के लिए मशीन का मार्ग तैयार किया जाना है। पूरे क्षेत्र की लगभग 125 दुकानों को हटाने की योजना है। प्रस्तावित नंदलालपुरा स्थानांतरण का व्यापारी विरोध कर रहे हैं, जिससे उनका रोजगार प्रभावित होने की आशंका है। अब प्रशासन की कार्रवाई और सुनवाई के बाद ही इस विवाद का अंतिम रूप सामने आएगा।

## रालामंडल बायपास ब्रिज फिर बंद, तकनीकी खामियों से बढ़ी परेशानी

**इंदौर।** शहर के रालामंडल बायपास ब्रिज को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में यातायात के लिए खोले गए इस पुल को अब दोबारा बंद कर दिया गया है। कारण है निर्माण में सामने आई तकनीकी खामियां, जिन्हें सुधारने के लिए तोड़फोड़ का काम किया जा रहा है। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल तीन वर्षों में तैयार हुआ, जबकि इसे एक वर्ष में पूरा होना था। बावजूद इसके अधूरे कार्य के बीच ही इसे जल्दबाजी में शुरू कर दिया गया। बाद में पुल की संरचना में खामियां सामने आईं, जिनमें रेलिंग का गलत स्तर और मोड़ों की डिजाइन प्रमुख हैं, जो दुर्घटना का कारण बन सकती थीं। पुल बंद होने से वाहन चालकों को अब सर्विस मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है, जहां पहले से ही दबाव अधिक है। इससे जाम की स्थिति बन रही है और लोगों का समय भी अधिक लग रहा है। यह पुल शहर के यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति में यह राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गया है। अब प्रशासन की कार्यप्रणाली और निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

# अधूरी आरडीएसएस योजना से बढ़ेगी परेशानी: गर्मी में झेलनी पड़ेगी बिजली कटौती

**ग्वालियर।** शहरवासियों को गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के उद्देश्य से शुरू की गई लगभग 45 करोड़ रुपये की आरडीएसएस (संशोधित वितरण क्षेत्र योजना) अब अधूरी रहने के कारण सवालों के घेरे में आ गई है। तय समय सीमा में पूरा होने वाला यह कार्य दो बार समय बढ़ाए जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है और अभी भी करीब 35 प्रतिशत काम शेष है। योजना के अंतर्गत नए ट्रांसफार्मर स्थापित करना और फीडर विभक्तिकरण किया जाना था, ताकि ओवरलोडिंग कम हो और बिजली आपूर्ति सुचारू बनी रहे। हालांकि, बिजली कंपनी द्वारा ठेकेदारों से समय पर कार्य पूरा नहीं कराया जा सका। 31 मार्च 2026 तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पाया। अब तापमान 40 डिग्री के पार जाने की संभावना के बीच बिजली की मांग तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में पुराने सिस्टम पर अधिक भार पड़ने से ट्रिपिंग और फॉल्ट की समस्या बढ़ सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों को बार-बार बिजली कटौती के रूप में झेलना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि योजना समय पर पूरी हो जाती तो शहर को बड़ी राहत मिलती। फिलहाल लापरवाही के चलते आने वाले दिनों में बिजली संकट गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

# देवास में घर में खड़ी दो ओला स्कूटी धधकीं, घरेलू सॉकेट से चार्जिंग बन रही है घातक

**देवास (नप्र)।** मध्य प्रदेश में घरेलू सॉकेट से ईवी गाड़ियों की चार्जिंग घातक बनती जा रही है। मिश्रीलाल नगर क्षेत्र में गुरुवार को घर में खड़ी दो ओला स्कूटी में आग लग गई है। दोनों पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। इसके साथ ही पास में खड़ी गाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। आग लगने के कारण अभी अज्ञात हैं। वहीं, ईवी स्कूटी में लगी आग को सबसे पहले एक नाबालिग लड़के चेतन ने देखा है। वह पढ़ाई करने के लिए सुबह में जागा था। उसके पास के घर में आग की लपटें दिखाई दीं। इसके बाद चेतन ने तुरंत परिवार को जगाया। वे लोग बाहर भागकर आए। इसके बाद पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश करने लगे। वे लोग जब पोर्चे तक पहुंचे तो धुआं इतना घना हो चुका था। मेन गेट से भागना मुश्किल हो गया था। आखिरकार, परिवार छत के रास्ते बाहर निकला और पास के घर से होते हुए सुरक्षित बाहर आ गया। देवास पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह साढ़े चार बजे की है। आग वकील शंकर गिरी गोस्वामी के घर में लगी है। आग की चपेट में दो पेट्रोल गाड़ियां भी आ गई हैं। लेकिन उन्हें कम नुकसान पहुंचा है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या ईवी गाड़ियां चार्ज हो रही थी। घटना सुबह साढ़े चार बजे की है। वहीं, परिवार के सदस्य विकास गिरी ने बताया कि उनके भतीजे ने सबसे पहले सुबह करीब चार बजकर 50 मिनट पर आग देखी। उसी समय गाड़ी में आग लगी थी। कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। नगर निगम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई है।

# भोपाल में बढ़ते अपराध पर सख्ती: हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ एक्शन प्लान, थाना प्रभारियों को अल्टीमेटम

**भोपाल।** राजधानी में बीते दो माह से हत्या, फायरिंग, चाकूबाजी और मादक पदार्थ तस्करी जैसी घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार बढ़ती वारदातों से चिंतित पुलिस आयुक्त संजय सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष बैठक बुलाकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में स्पष्ट किया गया कि अब अपराधियों के खिलाफ 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाई जाएगी। हिस्ट्रीशीटर बदमाशों की पहचान कर उन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने थाना प्रभारियों को दो-टूक चेतावनी दी कि जिस क्षेत्र में गंभीर अपराध होगा, वहां के प्रभारी अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों को हर घटना की साप्ताहिक समीक्षा कर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। पिछले दो महीनों में कोलार, तलैया, शाहजहांनाबाद, कोहेफिजा, टीला जमालपुरा, हनुमानगंज और अन्य क्षेत्रों में चाकूबाजी व फायरिंग की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे शहर में भय का माहौल बन गया है। अब पुलिस की इस सख्ती से अपराधों पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

# 631 करोड़ का ग्रीनफील्ड बायपास मंजूर: झांसी-ओरछा की दूरी घटेगी, राष्ट्रीय राजमार्ग 44 होगा ट्रैफिक मुक्त

**सागर।** मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए केंद्र सरकार ने झांसी और ओरछा को जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड बायपास परियोजना को मंजूरी दे दी है। लगभग 631 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह चार लेन बायपास 15.572 किलोमीटर लंबा होगा, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। यह बायपास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के बंगाय खास गांव से शुरू होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के ओरछा तिगेला तक बनाया जाएगा। इसके निर्माण से दोनों प्रमुख मार्ग आपस में जुड़ जाएंगे, जिससे लंबी दूरी के वाहनों को शहरों के भीतर से गुजरने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और जाम की समस्या से राहत मिलेगी। परियोजना का निर्माण अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण पद्धति के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कराया जाएगा। कुल लागत में से बड़ा हिस्सा निर्माण कार्य पर और शेष भूमि अधिग्रहण व अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किया जाएगा। इस बायपास के बनने से झांसी, सागर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात सुगम होगा, साथ ही बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

# 1.5 लाख शिक्षकों को मिलेगा पौने 2 लाख एरियर

## मप्र में 35 साल की सेवा पर चतुर्थ क्रमोन्नति ; सरकार ने जारी किए आदेश

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए चतुर्थ क्रमोन्नति (फोर्थ टाइम स्केल) लागू करने का फैसला कर लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। अब शिक्षकों को 12, 24 और 30 साल की सेवा के बाद मिलने वाले लाभ के साथ 35 साल की सेवा पूरी करने पर भी अतिरिक्त वेतनमान का फायदा मिलेगा। यह नया वेतनमान 1 जुलाई 2023 से लागू माना जाएगा। इससे प्रदेश के करीब 1.5 लाख शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा। इन शिक्षकों को सवा लाख से लेकर करीब 1.80 लाख रुपए तक का एरियर मिलने का अनुमान है। सरकार के इस फैसले से उन शिक्षकों को राहत मिलेगी, जो पदोन्नति के पात्र नहीं बन पाए, लेकिन लंबी सेवा पूरी कर चुके हैं। अब उन्हें क्रमोन्नति के जरिए उच्च वेतनमान दिया जाएगा। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को उनके पद के अनुसार यह लाभ मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक, 35 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को उच्चतर पे-लेवल का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी सैलरी में भी बढ़ोतरी होगी। वित्त विभाग ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

**शिक्षक दिवस पर सीएम ने की थी घोषणा–** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षक दिवस के मौके पर इस योजना की घोषणा की थी। इसके बाद कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब इसे लागू कर दिया गया है।

**सरकार पर करीब 117 करोड़ रुपए का भार–** 1 जुलाई 2023 तक 35 साल की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को एरियर का लाभ मिलेगा, जबकि 2023 से 2026 के बीच सेवा पूरी करने वालों को उनकी पात्रता की तारीख से एरियर दिया जाएगा।

# जीएमसी में सीधी भर्ती पर बवाल, डॉक्टरों का सामूहिक बहिष्कार

## 'डीन होश में आओ' के नारे, आदेश वापस नहीं हुआ तो 3 हजार डॉक्टर नहीं करेंगे इलाज

**भोपाल (नप्र)।** राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में 'आंतरिक सीधी भर्ती' को लेकर विवाद अब खुलकर सड़क पर आ गया है। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के आह्वान पर डॉक्टरों ने न सिर्फ इस भर्ती प्रक्रिया का सामूहिक बहिष्कार किया, बल्कि लगातार दूसरे दिन एक घंटे का 'पेन डाउन' आंदोलन कर डीन कार्यालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। डीन होश में आओ जैसे नारों के बीच डॉक्टरों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि विवादित आदेश तत्काल वापस नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में ओपीडी सहित सभी सेवाएं ठप कर दी जाएंगी।

डॉक्टरों का कहना है कि जब कोई उम्मीदवार ही इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हो रहा, तो यह विज्ञप्ति अपने आप ही निरस्त मानी जानी चाहिए।

**सीधी भर्ती के खिलाफ एकजुट हुए डॉक्टर–** गांधी मेडिकल कॉलेज में 25 मार्च को डीन कार्यालय द्वारा पदोन्नति के पदों पर 'आंतरिक सीधी भर्ती' का विज्ञापन जारी किया गया था। इसी के विरोध में मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीया का कहना है कि यह भर्ती प्रक्रिया सीनियर डॉक्टरों के अधिकारों के खिलाफ है। इससे उनकी वर्षों की वरिष्ठता और उससे जुड़े वित्तीय लाभ खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेजों में इस तरह की भर्ती का विरोध हो रहा है। हाल ही में ग्वालियर हाईकोर्ट ने भी इसी तरह की भर्ती प्रक्रिया को निरस्त किया है, जिससे डॉक्टरों के पक्ष को मजबूती मिली है।

**दूसरे दिन भी पेन डाउन आंदोलन–** गुरुवार को लगातार दूसरे दिन दोपहर 12 से 1 बजे तक 'पेन डाउन' आंदोलन किया गया। इस दौरान हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक 2 में बड़ी संख्या में डॉक्टर एकत्र हुए और भर्ती प्रक्रिया के

खिलाफ आवाज उठाई। आंदोलन में विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक और मेडिकल ऑफिसर तक शामिल रहे, जिससे विरोध की व्यापकता साफ नजर आई।

**सीधी भर्ती से खत्म हो जाएगी सेवा निरंतरता–** नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह अवैधानिक है। उन्होंने बताया कि सीधी भर्ती से सीनियर डॉक्टरों की सेवा निरंतरता टूट जाती है।

जिस संस्थान में डॉक्टर 15-20 साल से काम कर रहे हैं, वहां उन्हें नए उम्मीदवार की तरह ट्रीट किया जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, वेतन वृद्धि, एनपीएस और पेंशन जैसे लाभ प्रभावित होंगे, उन्होंने कहा।

**15 साल का अनुभव भी नहीं होगा मान्य–** हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल वर्मा ने बताया कि वे 15 साल से एसोसिएट प्रोफेसर हैं, लेकिन अब प्रोफेसर पद के लिए उन्हें अपने जूनियर्स के साथ प्रतियोगिता करनी होगी।

उन्होंने कहा, यदि चयन हो भी जाता है, तो नई नियुक्ति मानी जाएगी। इससे मेरा पूरा अनुभव और सेवा रिकॉर्ड बेकार हो जाएगा। साथ ही एक साल का प्रोबेशन पीरियड भी लागू होगा।

**डीन का जवाब: उच्च स्तर से मार्गदर्शन का इंतजार–** स्त्री रोग विभाग की एचओडी डॉ. शबाना सुलताना ने बताया कि इस मामले में डीन से चर्चा की गई है। डीन ने कहा है कि वे उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन लेने के बाद ही आगे कोई निर्णय लेंगी।

डॉक्टरों ने अपने विरोध को मजबूत करने के लिए न्यायालय के फैसलों का भी हवाला दिया है। ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने पूर्व में इस तरह की भर्ती प्रक्रिया को खारिज किया है। हाल ही में डॉ. आशीष कौशल बनाम मध्यप्रदेश शासन मामले में भी ग्वालियर हाईकोर्ट ने सीधी भर्ती को निरस्त किया, जिससे डॉक्टरों का पक्ष और मजबूत हुआ है।

### सरकार तक पहुंचा मामला, उच्चस्तरीय बैठक

इस विवाद को लेकर प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, एसीएस स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल और आयुक्त स्वास्थ्य से मुलाकात कर चुके हैं। बैठक में डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि पदोन्नति के पद केवल डीपीसी के माध्यम से ही भरे जाने चाहिए।

पीएमटीए ने इस दौरान चिकित्सा शिक्षकों से जुड़े 10 अन्य लंबित मुद्दों का भी जिक्र किया। इन मुद्दों का समाधान पिछले दो वर्षों से नहीं हो पाया है, जिससे डॉक्टरों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। संघ ने संचालनालय और शासन स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

### 21 अप्रैल से प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

पीएमटीए की कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 21 अप्रैल से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। डॉ. अविनाश ठाकुर ने चेतावनी दी कि यदि सीधी भर्ती का आदेश वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को क्रमिक रूप से तेज किया जाएगा।

अब समंदर में और बढ़ गई

# भारत की ताकत

● आईएनएस तारागिरी और आईएनएस अरिदमन नौसेना में हुए शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईएनएस तारागिरी और आईएनएस अरिदमन शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल हो गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में परमाणु पनडुब्बी अरिदमन और स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी को राष्ट्र को समर्पित किया। विशाखापत्तनम में आयोजित इस गरिमामय समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और सीडीएस जनरल अनिल चौहान सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

### गहराई में छिपकर दुश्मन को तबाह करने की क्षमता

यह दोनों युद्धपोत भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17ए के तहत एक उन्नत स्टेल्थ फ्रिगेट हैं। आईएनएस अरिदमन जहां समंदर की गहराई में छिपकर दुश्मन को तबाह करने की क्षमता रखती है, तो आईएनएस तारागिरी सतह पर तेज रफ्तार और आधुनिक हथियारों के साथ दुश्मनों पर हमले करने के लिए तैयार है। दरअसल, तारागिरी को ऐसे समय में नौसेना में शामिल किया गया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह क्षेत्रीय सुरक्षा के बदलते समीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत निर्मित यह चौथा शक्तिशाली युद्धपोत है। से पूरी तरह भारत में तैयार किया गया है। 6,670 टन वजनी यह युद्धपोत न केवल मेक इन इंडिया की सफलता की कहानी कहता है, बल्कि यह हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग क्षमताओं को दर्शाता है। अत्याधुनिक हथियारों और रडार से बचने की अपनी स्टेल्थ क्षमता के कारण तारागिरी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का अभेद्य कवच साबित होगा। तारागिरी बहुत अधिक पावरफुल और घातक है। यह शक्तिशाली हथियार और सेंसर से लैस है। यही नहीं इसमें पनडुब्बी रोधी ऑपरेशन के लिए रॉकेट और टॉरपीडो भी लगाए गए हैं।

बिहार के मोतिहारी में फिर शराब कांड

# 5 लोगों की मौत

● 6 की आंख की रोशनी गई, 7 लोगों की हालत गंभीर

### हत्या का केस दर्ज,एसएचओ सस्पेंड-चौकीदार गिरफ्तार

**मोतिहारी (एजेंसी)।** बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के असपताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई।

### गुरुवार रात दूसरी मौत के बाद खुलासा

मिली जानकारी के अनुसार, दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसके बाद इस मामले का खुलासा हुआ।

### तेजस्वी बोले- बिहार में शराबबंदी फेल

मोतिहारी शराबकांड पर तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, '4 लोगों की मौत, 6 लोगों की आंखों की रोशनी चले जाना और कई लोगों की हालत गंभीर होना अत्यंत दुखद है। यह बिल्कुल भी पहली बार नहीं है। अब तक बिहार में जहरीली शराब से 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

# उज्जैन प्राचीन काल से है खगोल विज्ञान का वैश्विक केंद्र

● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा-धार्मिक नगरी के साथ उज्जैन बनेगा विज्ञान नगरी

### महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम से स्टैंडर्ड टाइम तक ले जाना इस विमर्श का उद्देश्यः प्रधान

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब

पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे। जब दुनिया समय को परिभाषित करना सीख रही थी तब यहां महर्षियों ने खगोलीय गणनाओं का वैश्विक मानक स्थापित कर लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण और तारा मंडल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ एवं अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के लिए 4 लेन उज्जैन बायपास और 'सम्राट विक्रमादित्य - द हेरिटेज' परियोजना का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर विचारक एवं समाजसेवी सुरेश सोनी उपस्थित थे।

### उज्जैन में आध्यात्मिकता का मिलता है अद्भुत समन्वयः प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहां अध्यात्म और विज्ञान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है और एक नई दृष्टि का जन्म होता है। भारत के जितने भी प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं—चाहे वह उज्जैन हो, काशी हो, कांची हो या पुरी धाम, सभी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी 'जीती-जागती प्रयोगशालाएं' हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय मिलता है। केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने विज्ञान और आध्यात्मिकता के अटूट संबंध पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आध्यात्मिकता के बिना अधूरा है और इसका सबसे सटीक उदाहरण स्वयं उज्जैन नगरी और महाकाल मंदिर की व्यवस्थाओं में दिखाई देता है। केंद्रीय मंत्रीने महाकाल मंदिर के एक वैज्ञानिक अनुष्ठान का उल्लेख करते हुए बताया कि वैशाख मास के पहले दिन से भगवान शिव के ऊपर जल की धारा प्रवाहित होती है।

ईरान के टोल बूथ पर

# अमेरिका का भीषण हमला

● जल उठा केशम पोर्ट, सैटेलाइट तस्वीरों में दिखी तबाही ● होर्मुज स्ट्रेट में टोल वसूलने के लिए महत्वपूर्ण है द्वीप

**तेहरान (एजेंसी)।** इजरायल और अमेरिका ने ईरान के केशम के पोर्ट पर हमला किया है। यूरोपियन यूनियन/कोपरनिकस सेंटिनल-2 की सैटेलाइट तस्वीरों में गुरुवार को ईरान के केशम बंदरगाह से धुआं उठता हुआ देखा गया है। यह हमला ईरान के लिए रणनीतिक और आर्थिक तौर पर बड़ा झटका है। यह पोर्ट ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण हैं। ईरान की होर्मुज में टोल वसूलने जैसे व्यवस्था के लिए इस द्वीप का बहुत महत्व है। केशम फ्री जोन के अधिकारियों ने बताया कि ईरान के केशम द्वीप पर स्थित बहमन कमर्शियल बंदरगाह और दोहा मछली पकड़ने के घाट के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। यह नुकसान 1 अप्रैल की शाम से 2 अप्रैल की दोपहर तक बंदरगाह की सुविधाओं को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण हुआ।

### बंदरगाह को निशाना बनाकर हमला

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने बताया है कि अमेरिका-इजरायल के इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। केशम फ्री जोन के उप-प्रमुख मंसूर अजीमजादेह अर्देबिली ने बताया है कि बहमन पूरी तरह से एक कमर्शियल बंदरगाह है। इस तरह से पोर्ट पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय नियमों का सीधा उल्लंघन है। इजरायल और अमेरिका के इस हमले से क्षेत्र में लड़ाई तेज हो सकती है। ईरान के इस्लामिक

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इसी क्षेत्र में एक अमेरिकी विमान को गिराने का भी दावा किया है। आईआरजीसी ने कहा है कि उन्होंने फारस की खाड़ी में केशम द्वीप के दक्षिण में अमेरिका के एक उन्नत लड़ाकू विमान को मार गिराया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के दो छोटे-छोटे द्वीप लारक और केशम हैं। इन दोनों द्वीपों के बीच बीच एक संकरा रास्ता है। इस मार्ग को इन द्वीपों के नाम पर लारक-केशम गैप (या लारक-केशम चैनल) कहा जाता है। केशम पर ईरान का बंदरगाह भी है। ऐसे में यहां देश का तेल और दूसरी चीजों का व्यापार भी बड़े पैमाने पर होता है। ईरान के लिए केशम पोर्ट और लारक-केशम चैनल लड़ाई शुरू होने के बाद से व्यापार और दुनिया के व्यापारिक जहाजों की बारीकी से निगरानी की अहम जगह है। ईरान लारक-केशम चैनल से जहाजों को यहां से निकाल रहा है, जिनके उससे अच्छे संबंध हैं या फिर बातचीत के बाद जिन देशों के जहाजों को पार कराने का फैसला ईरान कर रहा है।

# ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी

● लिस्ट जारी की, अमरीका ने ईरानी पुल तबाह किया था

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (यूएई), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में ब्रिज पर दो बार हमला किया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था।